विश्वभारती

<u>कार्यालय आदेश</u>

अधोहस्ताक्षरी को कहने का निदेश हुआ है कि उपाचार्य महोदय ने, कर्मसमिति (कार्यकारिणी परिषद) की सहमति से, प्रो. निरंजन जेना को अगले आदेश तक संस्कृत, पाली एवं प्राकृत विभाग, भाषा भवन, विश्वभारती के अध्यक्ष के रूप में बने रहने की अनुमति प्रदान किए हैं।

प्रो. निरंजन जेना से अनुरोध है कि वे संस्कृत, पाली एवं प्राकृत विभाग, भाषा भवन, विश्वभारती के अध्यक्ष के रूप में बने रहें।

हस्ता/-

ज्ञापन सं. स्था./ई-1/एओएच एवं आईसी/2023-24 **कुलसचिव (कार्यकारी)**

दिनांक: 27.04.2023 विश्वभारती

सेवा में,

1. प्रो. निरंजन जेना, संस्कृत, पाली एवं प्राकृत विभाग, भाषा भवन, विश्वभारती

सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रति अग्रेषित:-

1. सभी निदेशक/भवनों/विभागों के प्रिंसिपल
2. सभी विभाग/केंद्र/अनुभाग के प्रधान
3. वित्त अधिकारी
4. सभी संयुक्त कुलसचिव/उप कुलसचिव/ आईएओ /सहायक कुलसचिव
5. प्रभारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ प्रभारी, सुरक्षा/ विश्वाविद्यालय अभियंता
6. संयुक्त कुलसचिव एवं कुलपति के गोपनीय सचिव
7. सहायक कुलसचिव (बैठक) – कर्मसमिति के समक्ष संपुष्टि हेतु।
8. प्रभारी, राजभाषा प्रकोष्ठ – अनुरोध हैं कि हिंदी में अनुवाद कर विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड करवाने की व्यवस्था करें।
9. कुलसचिव के निजी सहायक
10. प्रभारी, कंप्यूटर सेंटर : कृपया विश्वविद्यालय वेब साइट पर अपलोड करें।
11. व्यक्तिगत फाइल